हेसनाम असंबि देवी

अकादेमी पुरस्कारःसंगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएँ – नट संकीर्तन (मणिपुर)

HEISNAM ASHANGBI DEVI

Akademi Award: Other Major Traditions of Music - Nata Sankirtana (Manipur)

Born on 20 October 1928 at Thanga Heisnam Leikei in Manipur, Shrimati Heisnam Ashangbi Devi is a well-known Nata Sankirtana artist of Manipur. She has received rigorous training under legendary gurus such as Shri Pukhrambam Anuba Singh, Shri Kalachand Shastri, Shri Tenu Singh, Shri Ngangom Jugindro, and Shri Gadi.

An approved artist in Nata Sankirtana from All India Radio and Doordarshan, Imphal; Shrimati Heisnam Ashangbi Devi has been associated with many prestigious cultural institutions including the Rashesori Manipuri Kalakshetra as Secretary and Director. She has performed in many prestigious music festivals widely in the country.

For her excellence in the field of Nata Sankirtana, Shrimati Heisnam Ashangbi Devi has been honoured with many prestigious titles and awards including the Mathur Sheishak given by the Maharaja of Manipur (1952); and the Sangeet Ratna conferred by the Manipuri Sahitya Parishad (2011). She has conducted many seminars and workshops on Nata Sankirtana in the country.

Shrimati Heisnam Ashangbi Devi receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for her contribution to Nata Sankirtana of Manipur.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

मणिपुर के थंगा हेसनाम लेइकेई में 20 अक्टूबर 1928 को जन्मी श्रीमती हेसनाम असंबि देवी मणिपुर की एक प्रसिद्ध नट संकीर्तन कलाकार हैं। आपने श्री पुखरम्बम अनुबा सिंह, श्री कलाचंद शास्त्री, श्री तेनु सिंह, श्री नगंगोम जुगिंद्रो और श्री गाडी जैसे महान गुरुओं के अधीन व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

श्रीमती हेसनाम असंबि देवी आकाशवाणी और दूरदर्शन, इम्फाल की नट संकीर्तन की मान्यता प्राप्त कलाकार हैं और सचिव और निदेशक के रूप में राशेसरी मणिपुरी कलाक्षेत्र सहित कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों से जुड़ी रही हैं। आपने देश में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में व्यापक रूप से अपनी प्रस्तुतियाँ दी है।

नट संकीर्तन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए, श्रीमती हेसनाम असंबि देवी को मणिपुर के महाराजा द्वारा दिए गए माथुर शैशक (1952) और मणिपुरी साहित्य परिषद द्वारा संगीत रत्न (2011) सहित कई प्रतिष्ठित उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आपने देश के विभिन्न हिस्सों में नट संकीर्तन पर कई सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की हैं।

मणिपुर के नट संकीर्तन के क्षेत्र में योगदान के लिए श्रीमती हेसनाम असंबि देवी को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018